उदयपुर को चाइल्ड फ्रेंडली बनाने के लिए कई नवाचारों की पहल

पिछले दिनों उदयपुर नगर निगम के तत्वावधान में अर्बन95 परियोजना संचालन समिति की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक कई मायनों में ख़ास रही। जहाँ कई परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट्स (डीपीआर) को मंजूरी दी गयी, वहीँ शहर में आने वाले समय में होने वाले ढांचागत निर्माणों में छोटे बच्चों की सुविधाओं- सुरक्षा और उन्हें मज़ेदार बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की मार्गदर्शिकाओं और मास्टर चेकलिस्ट और डेशबोर्ड के निर्माण पर भी सहमति बनी। जिस शहर की पहचान वहां की जीवंत विरासत, झीलों, पुराने शहर की आबोहवा, पुराने मोहल्लों- चौक, बाग़-बगीचों और किलों- महलों से हो, वहां शहर को छोटे बच्चों के लिए फिर से बेहतर बनाने पर सार्थक चर्चा एक स्वागत योग्य कदम ही कहा जायेगा।

उदयपुर नगर निगम द्वारा बर्नार्ड वेन लीयर फाउंडेशन, इकली साउथ एशिया और इकोरस इंडिया के सहयोग से संचालित अर्बन95 परियोजना के अंतर्गत आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता निगम आयुक्त वासुदेव मालावत ने की, इस बैठक में अपने विचार रखने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों के अतिरिक्त इकली साउथ एशिया के कार्यकारी निदेशक इमानी कुमार, बर्नार्ड वेन लीयर फाउंडेशन की भारत प्रतिनिधि इप्शिता सिन्हा आदि भी मौजूद रहे।

इस दौरान शहर को बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए सरल, सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सहेली मार्ग और सुखाड़िया सर्किल को बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए चाइल्ड फ्रेंडली बनाने; गुलाब बाग़ में बर्ड पार्क के पास खाली पड़ी ज़मीन पर छोटे बच्चों के लिए सेंसरी पार्क निर्माण; अशोक नगर स्थित हनुमान पार्क और आस पास के क्षेत्र को चाइल्ड प्रायोरिटी ज़ोन के रूप में विकसित करने आदि की डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) पर चर्चा हुई और इन नवाचारों पर आगे बढ़ने पर सहमति बनी।

बहरहाल, अगर इन विस्तृत परियोजना रिपोर्टों के आधार पर शहर में छोटे बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए कार्य की शुरुआत होती है तो यह इस ऐतिहासिक शहर के लिए एक मील का पत्थर ही साबित होगा।

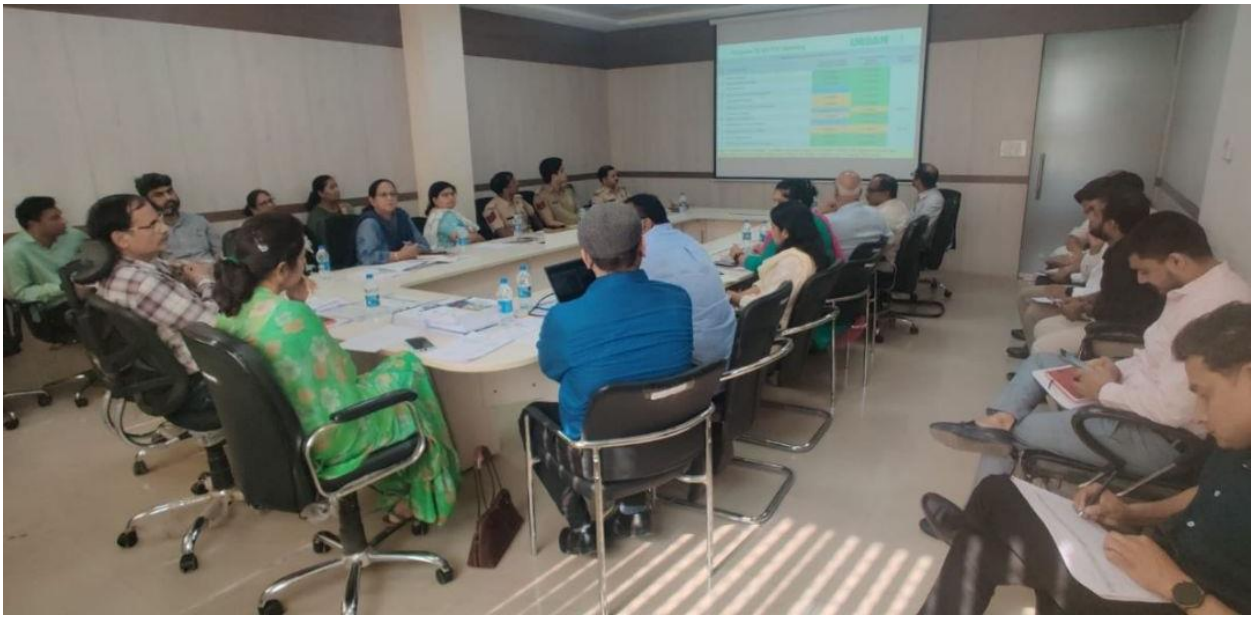

अर्बन95 परियोजना संचालन समिति बैठक में मौजूद अधिकारी एवं संस्था प्रतिनिधि

गुलाब बाग़ में प्रस्तावित सेंसरी पार्क

क्या है सेंसरी पार्क और चाइल्ड फ्रेंडली सड़क परियोजना

उदयपुर शहर के सबसे बड़े सार्वजनिक उद्यान गुलाब बाग़ (सज्जन निवास उद्यान) के एक हिस्से में अर्बन95 परियोजना अंतर्गत ५ साल तक के बच्चों के लिए विशेष पार्क निर्माण की योजना प्रस्तावित है. इस पार्क में छोटे बच्चों के लिए अलग- अलग आयु वर्ग अनुसार विभिन्न गतिविधियाँ प्रस्तावित है, जिस से उनके विभिन्न संवेगों (सेंसर) के विकास का अवसर प्राप्त हो सके। इस पार्क में छोटे बच्चों के लिए देखने, स्पर्श करने, चखने, सुनने, महसूस करने आदि संवेगों के लिए विभिन्न खेल गतिविधियाँ, रोचक खेल-खिलौने और डेडिकेटेड ज़ोन (विशेष क्षेत्र) डिजाइन किये गए हैं। यहाँ बच्चों के साथ साथ उनके अभिभावकों के लिए सकारात्मक लालन-पालन (पॉजिटिव पेरेंटिंग) सम्बन्धी सन्देश और गतिविधियाँ प्रस्तावित है।

उदयपुर के एक अन्य प्रमुख पर्यटन स्थल सहेलियों की बाड़ी और सुखाडिया सर्किल की सम्पर्क सड़कों और चौराहों को छोटे बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए और अधिक सुगम, मज़ेदार, सुविधाजनक और सुरक्षित बनाना प्रस्तावित है, ताकि वे वहां आराम से पैदल भ्रमण कर सके। इसके लिए वेंडिंग ज़ोन, पैदल पार पथ, फुटपाथ, बच्चों के सीखने के लिए विभिन्न संसाधन और अभिरुचि अनुसार विशेष क्षेत्र, छायादार आराम स्थल, बस और टेम्पो स्टेंड आदि प्रस्तावित है।

चुनौतियों से दो दो हाथ के लिए तैयार हो रहा शहर: विश्व मानचित्र पर उदयपुर की पहचान एक पर्यटन नगरी के रूप में है। संभाग मुख्यालय और तेज़ी से बढ़ते इस शहर में आस पास के कस्बों- गांवों से भी लोग नियमित रूप से आते जाते हैं। ऐसे में यह शहर न केवल अपने बाशिंदों बल्कि पर्यटकों और संभाग भर से नियमित आने वाले ट्रेफिक को भी झेलता है। इस स्थिति में सड़कों पर वाहनों की रेलमपेल में छोटे बच्चों के साथ अभिभावकों का सड़क किनारे चलना या उन्हें पार करना एक दुष्कर कार्य है। इन वाहनों के धुंए और पहियों से उड़ते महीन धूल के कण बच्चों के लिए खासतौर से बहुत नुकसानदायक होते हैं।

शहर को बच्चों के लिए सुविधाजनक और सुगम-सुरक्षित बनाने के दौरान बहुत हद तक बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए बेहतर फुटपाथ और पार-पथ बनाने, शहर में कार्बन उत्सर्जन कम करने आदि पर फोकस करना प्राथमिकता में होना चाहिए। इस दिशा में सहेली मार्ग एक मॉडल के रूप में सामने आ सकता है और इस से प्रेरणा लेकर शहर की अन्य सड़कों और चौराहों को अधिक बेहतर बनाया जा सकता है। ऐसे में अगर शहर को बच्चों और उनके अभिभावकों की दृष्टि से तैयार किया जाता है तो यह स्थानीय लोगों बल्कि पर्यटकों के लिए भी एक अच्छी स्मृति के रूप में छाप छोड़ेगा।

सहेलियों की बाड़ी के सामने प्रस्तावित चाइल्ड फ्रेंडली सड़क और चौराहा

छोटे बच्चे घर के बाहर सबसे अधिक आस पड़ोस के पार्क, आंगनवाड़ी और स्वास्थ्य केंद्र जाते हैं। यदि शहर के इन सभी स्थानों को अधिक बेहतर और पहुँच योग्य (एक्सेसेबल) बनाया जाता है तो इस से बच्चे अपने हमउम्र बच्चों के साथ इन स्थानों पर अधिक समय बिता सकेंगे। यह उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है।

उल्लेखनीय है कि अर्बन95 प्रोग्राम एक वैश्विक पहल है। इसके प्रमुख उद्देश्यों में से एक ० से ५ वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करना है, जिसमें खेल के माध्यम से, बचपन की सेवाओं तक पहुंच, प्रकृति, पार्क और खेल के मैदान और पड़ोस के पैमाने शामिल हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी शहरी क्षेत्र को ९५ सेंटीमीटर की लम्बाई के बच्चे के नज़रिए से विकसित किया जाए तो वह हर एक आयु वर्ग के लिए सुन्दर सुरक्षित और सुगम बनाया जा सकता है।

बैठक में इन प्रोजेक्ट्स पर बनी सहमति

गुलाब बाग में बर्ड पार्क के पास खाली पड़े स्थान पर छोटे बच्चों के लिए प्रस्तावित सेंसरी पार्क से सम्बंधित प्रस्तुति के बाद विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और डिजाइन को सहमति दी गई। यूआईटी चौराहा से सहेलियों की बाड़ी मार्ग एवं सोनी अस्पताल से सुखाडिया सर्किल सड़क को बच्चों के लिए सुगम और सुरक्षित बनाने पर भी सहमति बनी। इस मार्ग पर बच्चों के लिए सुगम फुटपाथ बनाने, छायादार बैठक स्थान विकसित करने, वेंडर ज़ोन विकसित करने सहित कई अन्य कार्य प्रस्तावित है। अशोक नगर स्थित हनुमान पार्क तथा नीमच खेड़ा गवरी चौक और आस पास के क्षेत्र को बच्चों के लिए "चाइल्ड प्रायोरिटी ज़ोन" बनाने की डीपीआर पर भी विस्तृत चर्चा के बाद सहमति दी गयी। सभी परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक ऑनलाइन मोनिटरिंग डेशबोर्ड बनाने और उसे निगम की वेबसाईट से लिंक करने पर भी चर्चा हुई।

समेकित बाल विकास उपनिदेशक कीर्ति राठौड़ ने अर्बन95 द्वारा मनोहरपुरा आंगनवाडी केंद्र और सेक्टर ११ स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को चाइल्ड फ्रेंडली बनाने सम्बन्धी कार्यों की प्रशंसा करते हुए शहर के अन्य केन्द्रों को भी विकसित करने का सुझाव दिया। इस पर समिति में गोवर्धन सागर स्थित इंदिरा कॉलोनी आंगनवाडी केंद्र और सेक्टर १४ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बनाने और विकसित करने पर सहमति बनी। इस के लिए शहर के दानदाताओं से भी चर्चा के लिए प्रस्ताव रखा गया।